# उत्तर प्रदेश में सार्वजनिक निजी सहभागिता से होगा पर्यटन विकास

- *तीन स्थानों पर हीलियम बैलून राइड फैसिलिटी हेतु आर.एफ.क्यू. जारी होगा, लखनऊ में तलाशी जाएगी सम्भावना*
- *तीन स्थानों पर रोप–वे सुविधा स्थापित करने के लिए परामर्शी का चयन हुआ*
- *लखनऊ में रेज़ीडेंसी में फिर से शुरू होगा लाइट एण्ड साउण्ड शो*
- *निजी विकासकर्ताओं द्वारा मुख्य सड़कों के किनारे पीपीपी मोड पर जनसुविधाएं स्थापित की जाएंगी*

लखनऊ, 13 जून 2012

उत्तर प्रदेश में रेलिजियस, आध्यात्मिक, ऐतिहासिक व इको–पर्यटन की असीम सम्भावनाओं को चरितार्थ करने के लिए अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त (आईआईडीसी), अनिल कुमार गुप्ता की अध्यक्षता में सार्वजनिक निजी सहभागिता (पीपीपी) की प्राधिकृत समिति (इम्पावर्ड कमेटी) ने कई महत्वपूर्ण फैसले लेते हुए आगरा, फतेहपुर सीकरी, वाराणसी में हिलीयम बैलून राइड फैसिलिटी स्थापित करने तथा रेज़िडेंसी लखनऊ में साउण्ड एण्ड लाइट शो पुनः शुरू करने के लिए पीपीपी मोड से आर.एफ.क्यू. जारी करने के लिए सैद्धान्तिक सहमति प्रदान कर दी। साथ ही राज्य के तीन शहरों में रोप–वे स्थापना के लिए डीटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करने के लिए परामर्शी का चयन भी हो गया। निजी विकासकर्ताओं द्वारा प्रमुख सड़कों के किनारे–किनारे जन–सुविधाएं विकसित करने के लिए भी सैद्धान्तिक सहमति प्रदान की गई।

प्रथम चरण में हिलीयम बैलून राइड फैसिलिटी शिल्पग्राम आगरा, राही गुलिस्तान ट्यूरिस्ट कॉम्प्लेक्स–फतेहपुर सीकरी, तथा संत रविदास घाट वाराणसी में प्रस्तावित है। लखनऊ में भी इसकी सम्भावनाएं तलाशने का निर्णय किया गया। निजी विकासकर्ता द्वारा स्थापित किए जाने वाली इस परियोजना में राज्य सरकार भूमि का प्रबन्ध करेगी। अनुमान के अनुसार इसमें हर परियोजना के लिए 3000 से 4000 वर्गमीटर जमीन का आवश्यकता होगी, जबकि कैपिटल कॉस्ट लगभग रु. 6 करोड़ होगी।

पीपीपी प्राधिकृत समिति के अध्यक्ष व आईआईडीसी अनिल कुमार गुप्ता ने कहा कि उत्तर प्रदेश में रेलीजियस, ईको व ऐतिहासिक पर्यटन की अपार सम्भावनाएं हैं, अतः राज्य सरकार ने यह निर्णय किया है कि प्रदेश में पर्यटन के विकास हेतु पीपीपी मोड को अपनाया जाए।

एक अन्य महत्वपूर्ण निर्णय के तहत यूइडीसी, आईडीएफसी व इनोवेस्ट के कन्सोरटियम को तीन स्थानों पर रोप–वे परियोजना हेतु मास्टर प्लान, फिज़ीबिलीटी स्टडी तथा डीपीआर तैयार करने के लिए परामर्शी के रूप में चयन कर लिया गया। इनके द्वारा जमा की गई वित्तीय बिड सबसे कम थी। रोप–वे की स्थापना मथुरा के बरसाना स्थित राधारानी मन्दिर, चित्रकूट में देवांगना तथा मिरज़ापुर में विन्ध्यवासिनी काली खोह–अष्टभुजा में प्रस्तावित है।

इसके अतिरिक्त कई वर्षों से बन्द लाइट एण्ड साउण्ड शो को रेज़िडेन्सी लखनऊ में पीपीपी मोड से फिर से शुरू करने का भी निर्णय लिया गया।

प्रदेश में राजकीय व केन्द्रीय राजमार्ग व अन्य प्रमुख सड़कों के किनारे–किनारे जनसुविधाओं की स्थापना व अनुरक्षण हेतु निजी विकासकर्ताओं को बढ़ावा देने का निर्णय किया गया। इस संबंध में स्वच्छ टॉयलेट व स्वच्छ पेयजल जैसी सुविधाओं के विकास हेतु न्यूनतम गुणवत्ता मानक निर्धारित करते हुए एक्सप्रेशन ऑफ इन्ट्रेस्ट की प्रक्रिया शुरू करने का निर्णय किया गया।

---